

## जल जीवन मशिन

### प्रलिमिंस के लयि:

जल जीवन मशिन (ग्रामीण और शहरी)

### मेन्स के लयि:

ग्रामीण भारत के वकिस में जल जीवन मशिन का महत्त्व

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्र सरकार ने घोषणा की क 50% से अधिक ग्रामीण घरों में नल के पानी की आपूर्त की जा रही है ।



The infographic features a circular image of a woman and a child at a water tap. It includes the '8 Years Seva, Sushasan, Garib Kalyan' logo, the 'myGov मेरी सरकार' logo, and the text 'Nari Shakti for New India'. The main heading is 'JAL JEEVAN MISSION: TRANSFORMING LIVES, EMPOWERING WOMEN'. Below this, four icons with text describe the mission's impact: 1. Rural women no longer have to walk extra miles to get water. 2. Enhanced their quality of life & saved time for better care for their family. 3. Given time & opportunity for education, especially for young girls. 4. 50% rural households connected with tap water connections.

### जल जीवन मशिन:

#### ■ परचिय:

- वर्ष 2019 में लॉन्च किया गया यह मशिन वर्ष 2024 तक 'कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन' (FHTC) के माध्यम से प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रतावियकर्ता प्रतादिनि 55 लीटर पानी की आपूर्ता की परकिल्पना करता है ।
- जल जीवन मशिन का उद्देश्य जल को आंदोलन के रूप में वकिसति करना है, ताकि इसे लोगों की प्राथमकिता बनाया जा सके ।
- यह मशिन 'जल शक्ति मंत्रालय' के अंतर्गत आता है ।

#### ■ उद्देश्य:

- यह मशिन मौजूदा जल आपूर्ता प्रणालियों और पानी के कनेक्शन की कार्यक्षमता सुनश्चिति करता है; पानी की गुणवत्ता की नगिरानी एवं परीक्षण के साथ-साथ सतत कृषि को भी बढ़ावा देता है ।
- यह संरक्षति जल के संयुक्त उपयोग; पेयजल स्रोत में वृद्धि; पेयजल आपूर्ता प्रणाली, धूसर जल उपचार और इसके पुनः उपयोग को भी सुनश्चिति करता है ।

#### ■ वशिषताएँ:

- जल जीवन मशिन (JJM) स्थानीय स्तर पर पानी की मांग और आपूर्ता पिक्ष के एकीकृत प्रबंधन पर केंद्रति है ।
- वर्षा जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण और पुनः उपयोग के लिये घरेलू अपशषिट जल के प्रबंधन जैसे अनविर्य उपायों हेतु स्थानीय बुनयादी ढाँचे का नरिमाण वभिन्नि सरकारी कार्यक्रमों/योजनाओं के साथ अभसिरण में कया जाता है ।
- यह मशिन जल के सामुदायकि दृष्टकिण पर आधारति है तथा मशिन के प्रमुख घटक के रूप में व्यापक सूचना, शकिषा और संचार शामिल हैं ।

#### ■ कार्यान्वयन:

- जल समतियाँ ग्राम जल आपूर्ता प्रणालियों की योजना, करयान्वयन, प्रबंधन, संचालन और रखरखाव करती हैं ।
  - इनमें 10-15 सदस्य होते हैं, जनिमें कम-से-कम 50% महिला सदस्य एवं **स्वयं सहायता समूहों** के अन्य सदस्य, **मान्यता प्रापत सामाजकि और सवासथ्य कार्यकरतता (आशा), आँगनवाड़ी**, शकिषक आदि शामिल होते हैं ।
  - समतियाँ सभी उपलब्ध ग्राम संसाधनों को मलाकर एक बारगी ग्राम कार्ययोजना तैयार करती हैं । योजना को लागू करने से पहले इसे **ग्राम सभा** द्वारा अनुमोदति कया जाता है ।

#### ■ फंडगि पैटरन:

- केंद्र और राज्यों के बीच फंड शेरगि पैटरन हमालय तथा उत्तर-पूरवी राज्यों के लिये 90:10, अन्य राज्यों के लिये 50:50 है जबकि केंद्रशासति प्रदेशों के मामलों में शत प्रतशित योगदान केंद्र द्वारा कया जाता है ।

## JJM की प्रगतति:

- **JJM डेशबोर्ड** के अनुसार, 10 जून, 2022 तक देश भर में लगभग 9.65 करोड़ घरों (50.38%) के पास नल के पानी के कनेक्शन है ।
- राज्य स्तर पर गोवा, तेलंगाना और हरयाणा ने राज्य के सभी परिवारों को 100% नल कनेक्टविटी प्रदान की है ।
- पुद्दुचेरी, अंडमान और नकिोबार द्वीप समूह, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन व दीव जैसे केंद्रशासति प्रदेशों ने भी 100% घरों को नल के जल के कनेक्शन प्रदान कये हैं ।
- **90% से अधिक कार्यात्मक घरेलू शौचालय कवरेज (FHTC) वाले राज्य हैं- पंजाब (99.72%), गुजरात (95.91%), हमिचल प्रदेश (93.05%) और बिहार (92.74%) ।**
- सबसे कम FHTC वाले राज्य हैं- राजस्थान (24.87%), छत्तीसगढ़ (23.10%), झारखंड (20.57%) और उत्तर प्रदेश (13.86%) ।

## जल जीवन मशिन (शहरी)

वत्तिथ्य वर्ष 2021-22 के केंद्रीय बजट में **सतत वकिस लक्ष्य-6** (SDG-6) के अनुसार, सभी शहरों में कार्यात्मक नल के माध्यम से घरों में पानी आपूर्ता की सार्वभौमकि कवरेज प्रदान करने हेतु केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय के तहत जल जीवन मशिन (शहरी) योजना की घोषणा की गई है ।

- यह जल जीवन मशिन (ग्रामीण) का पूरक है जिसके तहत वर्ष 2024 तक कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (FHTC) के माध्यम से सभी ग्रामीण घरों में प्रतावियकर्ता प्रतादिनि 55 लीटर जल की आपूर्ता की परकिल्पना की गई है ।
- **जल जीवन मशिन (शहरी) का उद्देश्य:**
  - नल और सीवर कनेक्शन तक पहुँच सुनश्चिति करना ।
  - जल नकियाँ का पुनरुत्थान ।
  - चक्रीय जल अर्थव्यवस्था की स्थापना ।

## स्रोत: द हट्टि